बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ **दिनांक -14-03 - 2021**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज समास के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे ।

तत्पुरुष समास

तत्पुरुष समास की परिभाषा

तत्पुरुष समास वह होता है, जिसमें उत्तरपद प्रधान होता है, अर्थात प्रथम पद गौण होता है एवं उत्तर पद की प्रधानता होती है व समास करते वक़्त बीच की विभक्ति का लोप हो जाता है।

इस समास में आने वाले कारक चिन्हों को, से, के लिए, से, का/के/की, में, पर आदि का लोप होता है।

तत्पुरुष समास के उदाहरण

- खुद को मारने वाला- आत्मघाती
- मांस को खाने वाला- मांसाहारी
- शाक को खाने वाला- शाकाहारी

तत्पुरुष समास के भेद

कारक चिन्हों के अनुसार इस समास के छः भेद हो जाते है।

- कर्म तत्पुरुष समास
- करण तत्पुरुष समास

- सम्प्रदान तत्पुरुष समास
- अपादान तत्पुरुष समास
- सम्बन्ध तत्पुरुष समास
- अधिकरण तत्पुरुष समास

तत्पुरुष समास के प्रकार

कर्म तत्पुरुष- यह समास **'को'** चिन्ह के लोप से बनता है।

जैसे: ग्रंथकार : ग्रन्थ को लिखने वाला

करण तत्पुरुष- यह समास दो कारक चिन्हों **'से'**और **'के द्वारा'** के लोप से बनता है।

जैसे: वाल्मिकिरचित : वाल्मीकि के द्वारा रचित

सम्प्रदान तत्पुरुष- इस समास में कारक चिन्ह **'के लिए'** का लोप हो जाता है।

जैसे: सत्याग्रह : सत्य के लिए आग्रह

अपादान तत्पुरुष- इस समास में अपादान कारक के चिन्ह **'से'** का लोप हो जाता है।

जैसे: पथभ्रष्ट: पथ से भ्रष्ट

सम्बन्ध तत्पुरुष- सम्बन्ध कारक के चिन्ह **'का', 'के'** व **'की'** का लोप होता है वहां सम्बन्ध तत्पुरुष समास होता है।

जैसे- राजसभा- राजा की सभा

अधिकरण तत्पुरुष- इस समास में कारक चिन्ह**'में'** और **'पर'** का लोप होता है।

जैसे: जलसमाधि- जल में समाधि